A3

A4

A5

VK4-9
AKS-7

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - VII)

GENERAL STUDIES (Test - VII)

मॉड्यूल - VII / Module - VII

DTVF/17-M-GS7

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): अभिषेक कुमार

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [✓] नहीं [ ]

मोबाइल नं. (Mobile No.): _____

ई-मेल पता (E-mail address): _____

टेस्ट न. एवं दिनांक (Test No. & Date): _____

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	0	9	8	5	1	4

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Abhishek

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर मुद्रित है।

Evaluation Analysis

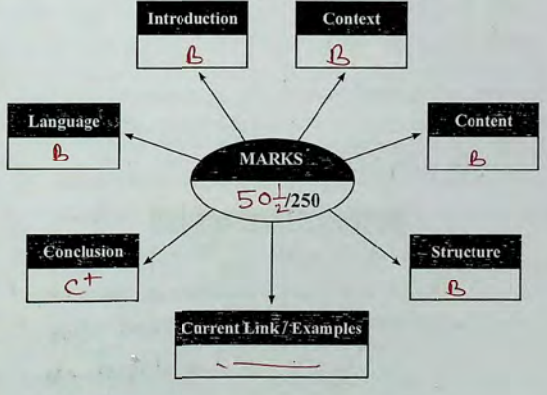

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- सभी प्रश्नों को हल करने का प्रयास करें।
- प्रश्न के सभी पक्षों पर ध्यान दें।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. बैंक समेकन इसके आकार, अंशों के मूल्यांकन, निर्णयन स्वीकृति और इसी तरह के कारकों के कारण एक जटिल कार्य है। प्रभावी समेकन हेतु रणनीतियों और चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The bank consolidation is a complex task due to its size, valuation of shares, decision acceptance and so on. Elucidate the challenges and strategies for effective consolidation. (250 words) 12.5

बैंक समेकन की अनुशंसा नरसिम्हन समिति, रघुराम राजन समिति समेत अनेक समितियों ने की है। इसी को ध्यान में रखते हुये केंद्र सरकार ने बैंकों के विलय की योजना बनायी है। आर्थिक समीक्षा 2015-16 में भी इस बात पर बल दिया गया था कि बैंकों (सार्वजनिक बैंक) की वर्तमान संख्या 27 को घटाकर 10 के आसपास लाया जाये।

बैंक समेकन के कई फायदे होंगे –

(1) इस बड़े बैंक का निर्माण हो सकेगा, जो बड़ी मात्रा में ऋण देने में सक्षम हो सकेगा।

(2) अभी बैंकों के शाखाओं में अत्यधिक व्याप्ति कई स्थानों पर कई बैंकों की शाखायें हैं तो कहीं पर बिल्कुल अभाव है। बैंक समेकन से यह overinclusion व exclusion की समस्या दूर हो पायेगी।

(3) बैंकों के समेकन से बैंकों का पूंजी आधार भी बढ़ेगा जो बैंक के वित्तीय कार्यों को चलाने में मदद करेगा।

(4) अभी पाया गया है कि छोटे बैंकों के प्रबंधन सही तरह से काम नहीं कर पा रहे हैं जिसके कारण बैंकों में NPA की समस्या भी देखी जा रही है। अतः बड़े बैंकों के साथ विलय से इनमें भी बेहतर निरीक्षण व्यवस्था का निर्माण होगा।

बैंक समेकन को परिभाषित करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

परंतु इसमें कई चुनौतियाँ हैं –

① बड़े बैंक में 'Too big Too fail' की मानसिकता उभर सकती है।

② विशेषज्ञ मानते हैं कि (NPA बैंकों की पूंजी के रूप में) अभी बैंकों का NPA वित्तीय के रूप में काफी ज्यादा है अतः यह निवेश का उपयुक्त समय नहीं है। पहले

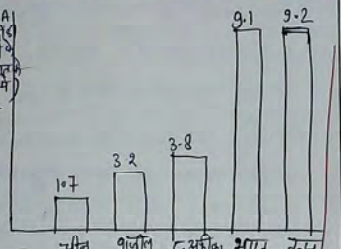

(BRICS देशों में NPA)

③ इसके इलावा विश्व में कर्मचारी यूनियनों का भी प्रतिरोध झेलना पड़ सकता है।

आगे का रास्ता क्या है?

① सरकार को पहले बैंकों के NPA की समस्या का समाधान करना होगा इस दिशा में PARA (Public Sector Asset Rehabilitation Agency) का गठन उपयुक्त कदम हो सकता है। (आर्थिक समीक्षा 2016-17)

② सरकार को बैंकों के पूंजीगत आधार को भी बढ़ाना होगा बेसल III के लिए (1 अप्रैल 2019 से लागू होगा) बैंकों को 1.8 लाख करोड़ की अतिरिक्त पूंजी चाहिए।

③ बैंकों के प्रशासन व प्रबंधन में सुधार करने होंगे। इंद्रधनुष प्लान का बेहतर क्रियान्वयन करना होगा।

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392355
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	1	0.5			
Grade	B	B	B	B			

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

2. क्या आप समझते हैं कि NDB और AIIB के निर्माण के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संसाधनों पर पश्चिम के नियंत्रण का युग समाप्त होना प्रारंभ हो गया है जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार में वैकल्पिक स्रोत के रूप में उभरे हैं? (250 शब्द) 12.5

Do you understand that the era of west's control over the international financial resources has started eroding by the creation of NDB and AIIB, which have emerged as alternative source of funding in the international financial market. Discuss. (250 words) 12.5

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार की दो प्रमुख संस्थाओं IMF व विश्व बैंक (WB) का उदय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुआ। इनका गठन मुख्यतः युद्ध के कारण तबाह हुई यूरोपीय अर्थव्यवस्था को पुनर्गठित करने के लिए हुआ था। यही कारण था कि इन वित्तीय संस्थाओं में विकसित व विकासशील देशों के मध्य काफी भेदभाव दिखाई देता है। इन देशों को ऋण देने से पूर्व ये कई तरह की शर्तें व बाध्यताएँ आरोपित करते हैं।

हाल ही में NDB (ब्रिक्स बैंक) व AIIB (एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक) का गठन इस दिशा में सकारात्मक पहल है। चूंकि इनमें मुख्यतः विकासशील देशों की हिस्सेदारी है अतः यह माना जा रहा है कि इससे विकासशील देशों के आर्थिक व कार्यसंरचनात्मक विकास पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

परंतु इन बैंकों में भी हाल में कई कमियों को देखा गया—

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtiithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(1) इन बैंकों में चीन का प्रभुत्व (खासकर AIIB में) भारत जैसे विकासशील देशों जो उनकी नीतियों के प्रखर आलोचक रहते हैं, भी नहीं कहा जा सकता।

(2) पाया गया है कि इन बैंकों के प्रशासन व ढांचा में भी कई कमजोरियाँ हैं। पारदर्शिता व उत्तरदायित्व का अभाव है।

(3) अपने गठन के डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद इन बैंकों द्वारा वास्तविक ऋण वितरण का कार्य काफी कम हुआ है।

अतः कहा जा सकता है कि NDB व AIIB जैसे बैंक जो अभी शैशवावस्था में हैं, IMF व WB जैसी संस्थाओं को कभी अपदस्थ नहीं कर सकते हैं—

(1) इन नये बैंकों को IMF व WB से Best Practices का आदानप्रदान करना चाहिये। तथा इनके बीच सहयोग व समन्वय बढ़ाया जाये।

(2) इन नये बैंकों के पूंजी आधार को बढ़ाते हुये उनकी तरलता को भी बढ़ाया जाये ताकि अन्य विकासशील व अल्पविकसित देशों को भी आर्थिकी सहित सके।

जरूरत है कि NDB व AIIB जैसे बैंक IMF व WB के प्रतिस्पर्धी (competitive) न बनकर उनके कार्यों को पूरित (compliment) करने का प्रयास करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtiithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.15	1	4	0.15	—	0.15	—
Grade	B	C	C	A	—	B	—

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. भारतीय स्टार्टअप्स के लिये अवसर और चुनौतियाँ विकसित और अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से कैसे भिन्न हैं? भारत में इस क्षेत्र के विकास हेतु उपयुक्त उपाय सुझाते हुए चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

How, India's start-up's challenges and opportunities differ from developed and emerging economies. Discuss suggesting suitable measures to promote this sector in India. (250 words) 12.5

भारत स्टार्टअप के लिए उभरता हुआ बाजार है। एसोचैम की रिपोर्ट के अनुसार भारत में इक्तिपि औसतन 1200 स्टार्टअप खुल रहे हैं हाल ही में सरकार की गंभीरता से इस क्षेत्र में तेजी आयी है।

परंतु भारत में स्टार्टअप के क्रमश: कई समस्याएं है जो अन्य विकसित व उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में नहीं दिखती —

① 'ईज ऑफ डुईंग बिजनस' का अभाव

भारत में एक व्यापार को शुरू करने में रूस व चीन की तुलना में औसतन 2.5 गुणा ज्यादा समय लगता है। भारत में कई तरह की अनुमतियों प्राप्त करनी होती हैं जिसमें 'Red Tapism' एक बड़ी समस्या है।

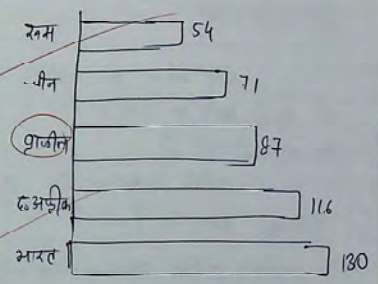

(ईज ऑफ डुईंग बिजनस - 2016 में भारत की स्थिति) (विश्व बैंक द्वारा जारी)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली 9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

(2) वित्त का अभाव → भारतीय बैंक स्टार्टअप को लेन देन में उत्सुकता नहीं दिखाते। ज्यादातर बैंकों ने स्टार्टअप को 'High Risk Sector' में डाल रखा है। अतः इन्हें उच्च ब्याज दरों पर लोन मिलता है।

(3) वेंचर कैपिटल मार्केट का विकास नहीं → भारत में कंपनियों के बांड मार्केट पर्याप्त विकसित नहीं है अतः इसके लिए बाजार में पूंजी प्राप्त करना चुनौतिपूर्ण हो जाता है।

(4) Angel investor, venture capitalist का अभाव → अमेरिका में सिलिकॉन वैली व चीन की इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री को विकसित करने में इन्हीं निवेशकों का योगदान रहा है।

(5) सरकार की Taxation नीति भी इन स्टार्टअप के अनुकूल नहीं मानी जाती।

यही कारण है कि (मोटेतौर) के अनुसार प्रति वर्ष खुलने वाले 1200 स्टार्टअप में से लगभग 85% स्टार्टअप फेल हो रहे हैं।

हालाँकि सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए कुछ प्रयास किये हैं—

(1) स्टार्टअप इंडिया स्कीम → इनमें एक निधि आधारित पंजीकरण, वित्त के लिए credit guarantee fund, पेटेंट में छूट, विभिन्न प्रकार के करों में छूट आदि शामिल हैं।

(2) स्टैंड अप इंडिया स्कीम

(3) SETU (Self employment and Talent utilization)

(4) अटल इनोवेशन मिशन (AIM)

(5) इसके अलावा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक विकास एवं उद्यमिता नीति 2015 में E-Hubs (Entrepreneurship Hubs) बनाने की बात की गयी है।

(6) स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए IIMs में 'Incubation Center' भी बनाये गये हैं।

भारत के विकास को एक नयी ऊँचाई तक ले जाने में आने वाले समय में इन स्टार्टअप का ही योगदान रहेगा। आर्थिक समीक्षा में इन्हें 'Future engine of Growth' की संज्ञा दी गयी है।

42

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	✓
Grade	B	B	B	B	—	B	✓

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

4. डिजिटल लेनदेनों की सुरक्षा और सभी हितधारकों को समान प्रतियोगी स्तर प्रदान करना भारत में चिंता का मुख्य विषय बन गया है। इस क्षेत्र के विकास को अवरुद्ध करने वाले मुख्य मुद्दों की चर्चा करें। इन मुद्दों के समाधान हेतु अपनाए जाने वाले मुख्य उपायों को रतन पी. वाटल समिति की मुख्य सिफारिशों के साथ बताएँ। (250 शब्द) 12.5

Safeguarding the security of digital transactions and providing level playing field to all stakeholders have become the subject of key concern in India. Discuss the issues plaguing the development of this sector. Suggest measures to be taken with key recommendations of the Ratan P. Watal committee to fixing these issues. (250 words) 12.5

प्रस्तावना भूमिका लिखें।

भारत में डिजिटल लेनदेन अत्यंत कम है। यह भारत में इंटरनेट कनेक्ट को बढ़ाता है साथही भ्रष्टाचार व कालेधन की समस्या भी पैदा करता है।

भारत में डिजिटल लेनदेन के समक्ष निम्न समस्याएँ है -

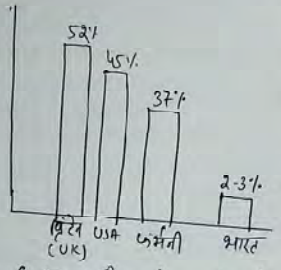

(i) वित्तीय समावेशन का अभाव

(ii) वित्तीय साक्षरता का अभाव

(iii) डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की अनुपलब्धता (खासकर गांवों में)

(iv) साइबर सुरक्षा की चुनौतियाँ

(कुल इंटरनेटधारक के प्रतिशत के रूप में डिजिटल ट्रांजैक्शन (लेनदेन)

अप ... की भी चर्चा करें।

इन सभी के कारण भारत में डिजिटल लेनदेन कुल लेनदेन का मात्र 2-3% है। (नवंबर 2016 तक)

इसी संदर्भ में सरकार ने रतन वाटल कमिटि बनायी थी जिसने कई सुझाव दिये है -

(1) दो पेमेंट सिस्टम के बीच interoperability को बढ़ावा देना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(2) स्मार्टफोन के माध्यम से वित्तीय सेवाओं को पहुंचाना

(3) डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना

(4) इसके अलावा भी सरकार ने डिजिटल लेनदेन को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये है -

आधार से KYC AEPS के प्रयोग को बढ़ाना

(i) JAM Trinity का उपयोग कर वित्तीय सेवायें देना (पेंशन, LPG सब्सिडी आदि के)

(ii) जनधन योजना के तहत अगस्त 2014 से मई 2017 तक के करीब 3 सालों में 29 करोड़ BSBD एकाउंट खोले गये तथा लगभग इतने ही रुपे - कार्ड का वितरण किया गया।

(iii) सरकार ने UPI (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) आधारित BHIM एप व वाट में BHIM 2.0 (फीचर फोन के लिए) भी शुरु किया।

(iv) इसके अलावा विमुद्रीकरण (डिमोनेटाइजेशन) के दौरान भी आपार डिजीधन योजना, लकी ग्राहक योजना आदि के माध्यम से कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

भुगतान की अन्य चर्चा करें।

निष्कर्ष ?

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25			
Grade	B	B	C	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

5. भारतीय सांख्यिकी संस्थान और विश्व बैंक ने यह प्रदर्शित किया है कि ऋण माफी भारतीय कृषि समस्या के लिये समाधान नहीं है। ऋण माफी समाधान के भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेंगे? भारतीय कृषि समस्या को संबोधित किये जाने वाले उपयुक्त उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

Indian statistical institute and the World Bank have shown that loan waiver is not a solution to Indian agriculture mess. What would be the repercussions of loan waiver solution in the Indian Economy. Suggest measures to be taken to address Indian agriculture mess in sustainable manner. (250 words) 12.5

हाल के समय में किसानों को ऋण माफी की घोषणायें तेजी से बढ़ी हैं पहले उत्तरप्रदेश फिर पंजाब, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि अन्य राज्यों ने वैसी ही घोषणायें की।

इसके सम्बन्ध में कुछ तर्क दिये जा सकते हैं—

(1) भारतीय कृषि पिछले 2 सालों (2014 व 2015) में ऐतिहासिक सूखे की समस्या से ग्रसित रही। इसने किसानों के लाभ को घटाया।

(2) भारत में जहाँ 49% कार्यबल अभी भी कृषि में लगा है वहाँ कृषि का मानसून पर निर्भर होना, कृषि की Vulnerability को बढ़ाता है।

(3) हाल के समय में कृषि के संकटों के कारण किसानों द्वारा आत्महत्या की घटनायें तेजी से बढ़ी हैं NCRB के 2016 के रिपोर्ट के अनुसार 2016 में करीब 9800 किसानों द्वारा कृषिगत कारणों से आत्महत्या की गयी।

परन्तु व्यापार विशेषज्ञ इस ऋण माफी की योजना को अर्थव्यवस्था के लिए सही नहीं मानते—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(1) RBI के अनुसार ऋण माफी की योजनाएं 'credit discipline' को खराब करती हैं।

(2) यह किसानों को भविष्य में भी ऋण न चुकाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

(3) इससे ऐसे किसानों जो ऋण को चुका रहे थे, उनके साथ भेदभाव करने जैसा है।

(4) पूर्व के अनुभव भी (2008-09 में लगभग 70 हजार करोड़ की ऋण माफी योजना केंद्र सरकार द्वारा चलाई गयी थी) भी इन योजनाओं की सफलता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

आर्थिक प्रभाव

(5) इससे राज्य सरकारों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा। अतः उनका राजकोषीय घाटा बढ़ेगा जो FRBM Act के उद्देश्यों के प्रतिकूल है।

(6) राज्यों का वित्त जो पहले से ही 'UDAY योजना' के कारण दबाव (Stress) में था उसपर दबाव और बढ़ेगा।

(7) बैंकों द्वारा भी कृषकों को ऋण देने में अनुकूलता कम दिखेगी। बैंक जो पहले से ही बढ़ते NPA की समस्या से जूझ रहे थे, वे इससे बचने का प्रयास करेंगे।

(8) एक राज्य के द्वारा ऋण माफी देने से 'Pandora Box' खुलने की स्थिति उभरती है तथा अन्य राज्य भी इस तरह के प्रयास करेंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(9) कृषि क्षेत्र में भी दीर्घकाल में इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा इससे कृषि में औपचारिक लेन-देन की मानसिकता घटेगी साथ ही निवेश के भी घटने के आसार हैं।

अतः कहा जा सकता है कि ऋण माफी की जगह सरकार को कृषि को उत्पादक बनाने का प्रयास करना चाहिए। उसके लिए —

(1) भूमि सुधार → टीएचके समिति की अनुशंसा के अनुरूप (model Land Leasing Law) का निर्माण हो।

(2) कृषि में मशीनीकरण व तकनीकी विकास को बढ़ाना।

(3) उन्नत बीज, उन्नत खाद (मिट्टी की उर्वरता के अनुरूप) उपलब्ध कराना।

(4) कृषक बीमा को बढ़ाना → (PM फसल बीमा योजना)

(5) कृषि का विविधीकरण पर बल

(6) वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्धता – पशुपालन को बढ़ावा।

(7) कृषि बाजारों में सुधार (अनौक एलवायी समिति की अनुशंसाओं को लागू किया जाना)

निष्कर्ष ?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	2	0.25			
Grade	B	D	D	D			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. पूंजीगत व्ययों में वृद्धि करने तथा राजस्व व्ययों में वृद्धि न करने की प्रवृत्ति शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के लिये समस्याजनक है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The tendency to promote capital expenditure and check the growth of revenue expenditure is problematic for crucial sectors such as education and health. Do you agree with this view? Give arguments in favour of your answer. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

8. उद्योगों हेतु तैयार कार्यबल के सृजन से भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने में 'राष्ट्रीय प्रशिक्षु संवर्द्धन योजना' कैसे सहायक होगी? समीक्षा करें। (250 शब्द) 12.5

How 'National Apprenticeship Promotion Scheme' would be helpful in making India the skill capital of world for creation of workforce to be ready for Industries? Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत जनांकिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) की स्थिति से गुजर रहा है तथा करीब 65% जनसंख्या 35 साल से कम उम्र की है परंतु यह युवा देश में कौशल विकास का स्तर अत्यंत कम है। भारत में औपचारिक 2% कार्यबल ही कौशल युक्त है जो अन्य विकसित व विनिर्माणशील देशों से काफी पिछड़ा है।

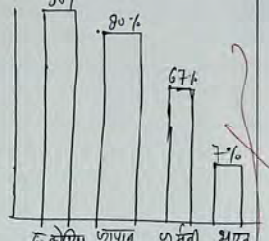

(कुल कार्यबल में औपचारिक कुशल कार्यबल का प्रतिशत)

अतः पाया जाएगा कि उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्र भी उद्योगों के कार्यबल के अनुरूप नहीं होते। National Employability Report 2015 के अनुसार इंजीनियरिंग व अन्य व्यवसायिक पाठ्यक्रमों से आने वाले मात्र 97% विद्यार्थी ही काम के उपयुक्त होते हैं।

इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुये सरकार ने (राष्ट्रीय प्रशिक्षु संवर्द्धन योजना) शुरू की है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

भारत में फिलहाल 3 लाख प्रशिक्षु (Apprentice) प्रतिवर्ष तैयार होते हैं। सरकार ने इनकी संख्या बढ़ाकर 50 लाख करने का लक्ष्य रखा है।

इस योजना में —

(1) सरकार अप्रेंटिस को दिये जाने वाले स्टाइपेंड का 25% वहन करेगी।

(2) सरकार अप्रेंटिस पर होने वाले कुल खर्च का 50% वहन करेगी।

इन सभी के उद्योगों द्वारा छात्रों को अप्रेंटिस में लिये जाने को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा अप्रेंटिसशिप एक्ट, 1961 में भी संशोधन किया गया है।

विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा जारी मानव पूंजी सूचकांक (Human Capital Index) - 2016 में भारत का स्थान 130 देशों में 108 वां है जो BRICS देशों में सबसे नीचे है। Make in India को गति देने, भारत के दोहरे अंक वृद्धि को सुनिश्चित करने व (Double Digit growth) जनांकिकीय लाभांश का फायदा उठाने के लिये निश्चित रूप में भारत में मानव पूंजी के निर्माण की दिशा में प्रभावी प्रयास करने होंगे।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के आंशिक कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1½	1	0.75	—	0.75	—
Grade	B	B	C	B	—	B	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के आंशिक कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

Q. भारत में, खाद्य क्षेत्रक मूल्य संवर्धन की अपनी विपुल संभावनाओं के कारण उच्च विकास और उच्च लाभ वाले क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रमुख घटक क्या हैं? आपूर्ति शृंखला के पूर्व और अग्र संपर्कताओं को समझाइये। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में सरकार की कुछ हालिया पहलों का भी उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In India, the food sector has emerged as a high-growth and high profit sector due to its immense potential for value addition. In context of above statement, what constitutes the food processing industry? Explain the backward and forward linkages across supply chain? Also mention some of the recent initiatives of government in food processing industry? (250 words) 12.5

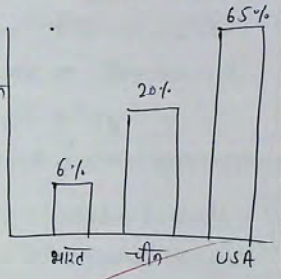

(कुल कृषि उत्पादन के अतिरिक्त के रूप में खाद्य संस्करण)

भारत में खाद्य प्रसंस्करण का अनुपात मात्र 6% है जो ~~उच्च विकसित व विकासशील~~ देशों से बहुत कम है जबकि भारत फलों व सब्जियों का दूसरा बड़ा उत्पादक है। भारत में विश्व के सबसे ज्यादा संख्या में पशु हैं अतः यह विविधता का विषय है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रमुख घटक है –

(1) कच्चा माल – (कृषि उत्पाद – अनाज, फल, सब्जियाँ)
पशु उत्पाद – मीट, ऊन आदि ..

(2) ~~कृषि~~ क्षेत्रों से प्रसंस्करण केंद्र तक उनका परिवहन

(3) प्रसंस्करण उद्योग के लिए भूमि, इंजी

(4) उत्पादित माल के लिए बाजार (5) उपभोक्ता – (घरेलू बाजार, ~~निर्यात~~ के अवसर भी)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

अतः खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के आपूर्ति श्रृंखला में प्रति व कम संवहनाओं की स्थिति महत्वपूर्ण होती है क्योंकि इससे कच्चे माल जल्दी खराब होते हैं अतः जानी है कि वे शीघ्र ही प्रसंस्करण केंद्र तक पहुँचे। इसके लिए प्रसंस्करण केंद्र कच्चे माल के स्रोतों के जल अधिकतर लगते हैं परंतु आधी उत्पादित माल भी कई बार जल्दी खराब होने वाले होते हैं अतः उपभोक्ताओं का पास के होना भी जानी है)

इन्हीं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के, मंत्रालय के निम्न प्रयास किए हैं—

(1) मेगा फूड पार्क स्कीम — इसके तहत Hub & Spoke model पर आधारित प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना की जानी है)

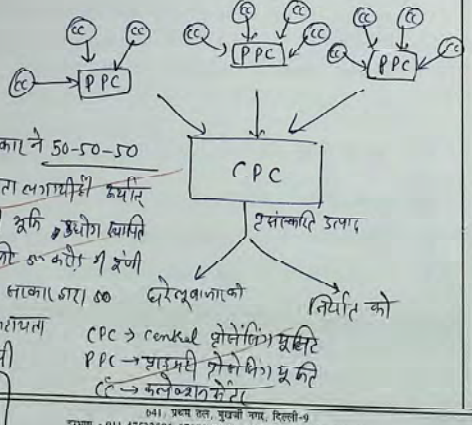

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392556
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(2) इसके अलावा कोल्ड चेन आदि अवसंरचनाओं में भी निवेश बढ़ाया जाएगा।

(3) साथ ही कई यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में 'Food processing' को एक कोर्स के रूप में स्थापित किया जाएगा।

(4) पशु मीट के संदर्भ में Abattoirs का आधुनिकीकरण किया है।

हालही में सरकार ने कई स्कीमों को जोड़ते हुए SAMPADA स्कीम की घोषणा की है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की काफी संभावना है साथ ही यह उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

5

अच्छा प्रयास

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	2	0.25	—	0.5	
Grade	B	B	B	B	—	A	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

6. सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों की चुनौतियों पर टिप्पणी कीजिये, जिनका भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट (ZED) पहल के महत्त्व पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए इन चुनौतियों का सामना करने हेतु सुझाव प्रस्तुत करें। (250 शब्द) 12.5

Comment on the challenges for micro, small and medium enterprises (MSMEs) which have significant part in the Indian economic growth. Discuss in brief the importance of the zero defect, zero effect (ZED) scheme which suggesting measures to be taken for facing these challenges (250 words) 12.5

भारत में MSME सेक्टर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका भारतीय अर्थव्यवस्था में निभाता है—

(1) भारत के विनिर्माण उत्पाद में MSME सेक्टर की हिस्सेदारी 45% है।

(2) भारत के कुल निर्यात में इनका हिस्सा 40% है।

(3) यह क्षेत्र प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 12 मिलियन लोगों को रोजगार देता है (कृषि के बाद इसका स्थान दूसरा है)

परंतु भारत में इन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है—

(1) छोटा आकार → अतः 'Economy of scale' प्राप्त नहीं हो पाता। अतः उत्पाद प्रतिस्पर्धी में नहीं टिक पाते

(2) पंजीकृत क्षेत्र के कुल 20 लाख इकाईयों में मात्र 5% ही पंजीकृत हैं।

(3) वित्तीय समस्या → समय से, पर्याप्त व सस्ता ऋण उपलब्ध नहीं हो पाता। मुख्यतः औपचारिक तंत्र के क्षेत्रों पर निर्भर रहते हैं।

(4) तकनीकी विकास की → मुख्यतः श्रम प्रधान क्षेत्र, मशीनीकरण पर बल नहीं देते।

(5) बाजार तक पहुंच का अभाव

अतः सरकार ने MSME सेक्टर के विकास पर बल देते हुये कई प्रयास किये हैं—

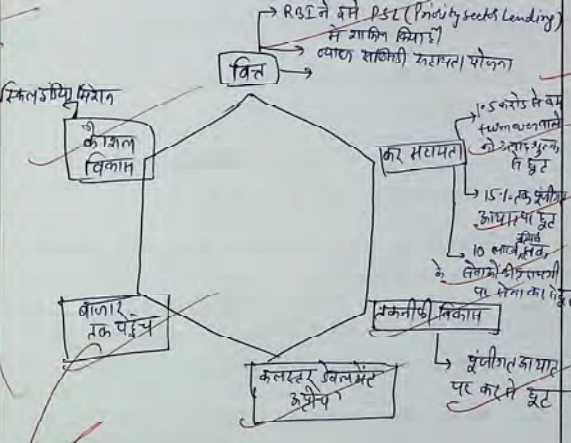

हाल ही में सरकार द्वारा ZED (Zero Defect Zero Effect) स्कीम शुरू की गई। जिसका उद्देश्य है कि इन उद्योगों को—

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	2	0.5			
Grade	A	C	B	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

10. कोई भी देश विनिर्माण आधार को मजबूत किये बिना महान नहीं बन सकता है। भारत में वर्तमान में विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति को बताते हुए 'औद्योगिक उत्पादन सूचकांक' को समझाएँ। हाल के वर्षों में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने और अपनी अर्थव्यवस्था को बदलने के लिये उठाए गए कदमों का उल्लेख करें। (250 शब्द) 12.5

No country can be great without a robust manufacturing base. Explain 'Index of Industrial Production' (IIP) with describing present situation of manufacturing sector in India. Mention the recent steps that have been taken to make India a global manufacturing hub and to transform her economy. (250 words) 12.5

आर्थर लूइस का 'Dual economy model' यह बताता है कि अर्थव्यवस्था में विकास के साथ कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान घटने लगता है व विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ता जाता है। श्रम बल का भी कृषि से उद्योगों में ही पलायन होता है।

परंतु भारत के संदर्भ में यह मॉडल उपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। यही कारण है कि —

(1) अर्थव्यवस्था में 14% का योगदान करने वाली कृषि में 49% कार्यबल है।

(2) विनिर्माण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी मात्र 15% है। (जबकि चीन में यह 33% है।)

(3) कृषि में श्रम बल का भाग मुख्यतः अनौपचारिक क्षेत्र व अच्छी सेवाएं देने वाले क्षेत्रों (जैसे निर्माण क्षेत्र) में है।

अतः चीन, जापान, कोरिया जैसी अर्थव्यवस्थाओं से सीख लेते हुये भारत को भी विनिर्माण क्षेत्र के विकास

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की तेज करना होगा।

परंतु भारत में औद्योगिक विकास पर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। इसका कोर इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (जो कि अर्थव्यवस्था के 8 महत्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रदर्शन पर आधारित है) में भी गिरावट रिकॉर्ड की गई है कि सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किये हैं —

(1) राष्ट्रीय विनिर्माण नीति → जिसमें विनिर्माण क्षेत्र का जीडीपी के हिस्सा 16% से बढ़ाकर 2022 तक 25% करने का लक्ष्य है।

(2) मेक इन इंडिया।

(3) कौशल युक्त कार्यबल के निर्माण के लिये —
(a) राष्ट्रीय कौशल विकास उद्यमिता नीति 2015
(i) स्किल इंडिया मिशन
(c) इंडस्ट्री-एकेडमी कौशल विकास योजना
(d) स्किल कौंसिलों की स्थापना

भारत ने विनिर्माण क्षेत्र में 3S → Speed, Standard व Sustainability पर बल देते हुये आगे बढ़ने पर बल दिया है।

IIP क्या है? और इसमें सुधार कैसे करें

- इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25			
Grade	D	B	C	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. काले धन से लड़ने, अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण करके और प्रशासनिक बोझ को कम कर 'इज ऑफ डूइंग बिज़नेस' में सुधार की योजना के साथ, फरवरी में घोषित नया बजट, एजेंडा 'ट्रांसफॉर्म, एनर्जाईज एंड क्लीन (टेक) इंडिया' के अनुरूप है। बजट 2017-18 के महत्त्वपूर्ण परिणामों और पहलों के प्रकाश में विश्लेषण कीजिये। बजट संख्याओं में सुधार दीर्घकालीन सुधारों का अथवा सिर्फ भाग्य का परिणाम है? टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

The new budget announced in February is in line with the agenda to 'Transform, Energize and Clean' (TEC) India, with plans to fight black money, digitize the economy and improve the ease of doing business by reducing the administrative burden. Analyze in the light of important outcomes and initiatives of budget 2017-18. The improvements in the budget numbers are the result of long term reforms or just the luck factor? Comment. (250 words) 12.5

काला धन भारत में एक ऐसी समस्या है जो एक (Parallel economy) के रूप में काम कर रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भारत में सैंडी में इंडिपेंडेंट लेनदेन है। भारत में कुल लेनदेन का मात्र 2-3% ही वित्तीय माध्यमों से होता है। यही कारण है कि भारत का Cash to GDP अनुपात अन्य देशों से काफी अधिक है। जो भ्रष्टाचार, काले धन आदि के प्रचलन को बढ़ावा देने में भारत में प्रशासनिक संरचना में 'Red Tape' भ्रष्टाचार वित्तीय विधानों जो कि ओफ डूइंग बिजनेस में भारत को अन्य देशों से मुकाबले पीछे कर देती है।

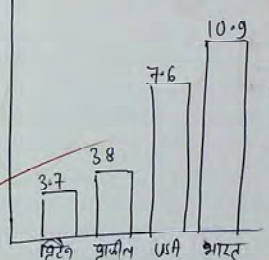

(Cash to GDP Ratio)

एक संख्या के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए इसमें संसद में बजट 2017-18 में उठाये जाने महत्वपूर्ण कदमों को भी लिखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

इस संदर्भ में बजट 2017-18 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गयी —

(1) 2 लाख से अधिक के कैश लेनदेन (ट्रांजैक्शन) पर रोक।

(2) -चुनावों में राजनीतिक दलों की फंडिंग में 2000 से ऊपर की फंडिंग का ब्योरा चुनाव आयोग को देना होगा।

(3) 1 जनवरी 2017 से GARR (जनरल एंटी अवायडेंस रूल) व PoEM (प्लेस ऑफ इफेक्टिव मैनेजमेंट) को लागू किया गया।

प्रश्न की माँग के संदर्भ में उत्तर में कटलाग है

विभिन्न क्षेत्रों में विधायी समस्याओं की चर्चा करते हुए बैंक इंडिया की आवश्यकता को स्पष्ट करें

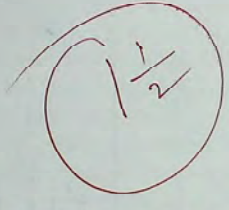

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1/2	1/2				
Grade	B	D	D				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

12. (a) 'रैनसमवेयर' क्या है? इसके संभावित खतरों और इन खतरों से निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। 6.5

What is 'Ransomware'? Discuss its possible hazards and measures to deal with these hazards. 6.5

रैनसमवेयर एक मालवेयर है जो किसी कम्प्यूटर सिस्टम पर लोड हो जाने पर उसके संचालन को ठप कर देता है तथा उपयोगकर्ता द्वारा एक निश्चित रैनसम एक बैंक एकाउंट में डाल दिये जाने के पश्चात ही हैकर के चाहने पर पुनः खुल सकता है।

हाल ही में UNPF के सर्वर पर, सोनी मीडिया के फिल्म व अनेक अन्य संस्थानों के सिस्टम पर एक रैनसमवेयर का हमला देखा गया। इसने सिस्टम के काम बंद करने से आर्थिक हानि तक जताई। साथ ही आतंकवादी हैकर्स (हैकर्स) विभिन्न संस्थानों एवं लोगों की निजिकगोपनीयता को भी धमकाते हैं। इसके अलावा हैकर धन जैसे का अपराधिक प्रतिविधियों जैसे आतंकी वित्तपोषण में भी उपयोग कर सकते हैं।

- धारण के समय
- वीडियो
- राजस्व डाटा
- सुरक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर विपरीत प्रभाव
- अर्थव्यवस्था की भी चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इससे निपटने के लिये —

(1) सिस्टम पर ~~ऑपरेटिंग सिस्टम अपग्रेडेड~~ होना चाहिए।

(2) सिस्टम पर एंटीवायरस, एंटी मालवेयर आदि भी आधुनिकतम रूप में उपलब्ध होने चाहिए।

(3) • Ethical Hacking को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

(4) साइबर अटैक से बचने के लिये —

(a) राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 का बेहतर क्रियान्वयन हो।

(b) पर्याप्त संख्या में साइबर सुरक्षा कार्यक्रम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

(c) अन्य देशों से सहयोग को बढ़ाया जाये (Cyber cooperation)

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

14. जीन संपादन तकनीक में CRISPR (क्लस्टर रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पेलिण्ड्रोमिक रिपीट्स) एक ऐतिहासिक सफलता है। इसका प्रयोज्यता और संबंधित समस्याओं को समझाइये। (250 शब्द) 12.5

CRISPR (Clustered Regularly Interspaced Short Palindromic Repeats) is a historic breakthrough in the gene editing technology. Explain its applicability and related concerns. (250 words) 12.5

CRISPR-Cas9 एक जीन संपादन तकनीकहै जिसमें Cas9 एन्जाइम का उपयोग कर जीन एडिटिंग की जातीहै। जीन संपादन तकनीक द्वारा किसी जीव के किसी खराब जीन को हटाकर उसके स्थान पर नये उपयोगी जीन जोड़े जा सकते हैं।

इसके निम्न उपयोग हो सकते हैं—

(1) कृषिजैविक बीमारियों के उपचार में (जीन थेरेपी) सिमोफीलिया, वर्णांधता जैसी कृषिजैविक बीमारियों के उपचार में इससे सहायता मिल सकती है।

(2) GM फसलों के विकास में → फसलों में उपयोगी जीन जोड़कर उन्हें कीटनाशकों से लड़ने में सक्षम बनाया जा सकता है। प्राकृतिक आपदाओं जैसे सूखा, बाढ़ आदि के दबाव को सहने में सक्षम बनाया जा सकता है।

(3) फार्मेकोजेनोमिक्स में → इस तकनीक के द्वारा यह ज्ञात किया जा सकता है कि दवाओं के प्रति शरीर कैसे प्रतिक्रिया देता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(4) खाद्य फोर्टिफिकेशन में — पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए खाद्य पदार्थों में पोषक मात्रा को बढ़ाया जा सकता है (गोल्डेन राइस में तरतीमें बीटा कैरोटीन से जोड़कर विटामिन A अधिक बनाया जाता है)

(5) जैव उपचार (Bioremediation) में → पर्यावरण में प्रदूषकों को हटाने में इसकी भूमिका उभर सकती है उदाहरण स्वरूप ऑयल ईटर का विकास किया जाता है जो हाइड्रोकार्बन खाकर उसे CO_2 व जल में बदल देता है। इसका इसका उपयोग Phyto Remediation में भी किया जा सकता है (पेड़ों के द्वारा अवशिष्टों का निस्तारण करने में)

(6) ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में → अभी वर्तमान आधारित एथेनॉल व जेट्रोफा के जैसे पौधों से प्राप्त बायोडीजल का उपयोग शुरू हो गया है। इस तकनीक से इन पौधों की उत्पादन क्षमता को और बढ़ाया जा सकता है।

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	+2.5	1	1	+1.5			
Grade	B	C	C	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम, ई-सिगरेट का सबसे सामान्य प्रोटोटाइप है जो धूम्रपान छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिय नए युग का सूत्र है। तथापि, यह तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में वायदे और खतरे का साथ-साथ प्रस्तुत करता है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Electronic nicotine delivery systems (ENDS), the most common prototype of which is e-cigarettes are the new age formula for people trying to quit smoking. However, they present a simultaneous promise and threat in the world of tobacco control. Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
45

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

18. बिटकॉइन, एक क्रिप्टोकरेंसी, सरकारों की शक्ति को चुनौती दे सकती है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Bitcoin, a cryptocurrency, can challenge the power of governments. Critically examine. (250 words) 12.5

बिटकॉइन सबसे तेजी से उभरने वाले वर्चुअल करेंसी में से एक है। आजकल लेन देन में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है। इसके कई कारण हैं—

① डिजिटल करेंसी का उपयोग के कारण इसका लेनदेन आसान होता है।

② एक 'ब्लॉकचेन तकनीक' पर आधारित होने से पारदर्शिता अधिक होती है।

③ यह एक सुरक्षित मुद्रा के रूप में उभरी है। इसे साइबर अटैकों से 'ब्लॉकचेन' के कारण इसके को सुरक्षित रखने में सफल रही है।

④ हाल में बिटकॉइन में निवेश तेजी से बढ़ी है। इसके मूल्य को भी तेजी से बढ़ाया है।

अतः यह कहा जाने लगा है कि शीघ्र ही सरकारों के द्वारा जारी किये जाने मुद्राओं का यह स्थान ले लेगा। परंतु बिटकॉइन पर कोई निर्णय होने से पहले यह देखना होगा कि यह कई समस्याओं से ग्रस्त है—

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
54
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

① बिटकॉइन को किसी सरकार या केंद्रीय बैंक द्वारा मान्यता नहीं दिये जाने से इसका अस्तित्व 'न' के बराबर है।

② बिटकॉइन के द्वारा अपारदर्शी तरीके से होने वाले लेनदेन ने बिटकॉइन द्वारा मनी लांड्रिंग आदि की संभावनाओं को बल दिया है।

③ हाल ही में हैदराबाद में आंकड़ों के द्वारा किये गये अध्ययनों, इस रैकेट से पाया गया था कि लेनदेन के लिए बिटकॉइन का प्रयोग हो रहा था।

④ बिटकॉइन की चुनौतियों से भी [illegible] किसी अधिकारी को नहीं पड़ा है।

⑤ केंद्रीय बैंक [illegible] लेनदेन को [illegible] हो रहे हैं या एक white paper लाकर अपना मंतव्य स्पष्ट करना चाहिए।

⑥ न्यायालय [illegible]

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
55
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1.25	1	1	1.25	—	1.25	
Grade	B	C	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत की प्रतिरक्षा क्षमता में एक अन्य सामर्थ्य है। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The successful test of Interceptor Missile System (IMS) is a milestone achievement and adds another feather in India's defence capability. Explain. (250 words) 12.5

भारत के रक्षा उपलब्धियों में इंटरसेप्टर मिसाइल के सफल परीक्षण में महत्वपूर्ण ~~इंधन~~ जोड़ है। भारत ने दो चरणों वाले इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली का विकास किया है –

(I) PAD (पृथ्वी एयर डिफेंस) ~~को~~ यह 2000 किमी से आने वाली मिसाइलों को वायुमंडल में 80 किमी की ऊंचाई पर मार गिराने के सक्षम होगी।

(II) AAD (एडवांस एयर डिफेंस) ~~को~~ किसी कारण वश यदि PAD विफल हो जाये तो AAD 30 – 40 किमी की ऊंचाई पर मिसाइल को मार गिरा देगी।

यह इंटरसेप्टर प्रणाली भारत के अलावा कुछ ही देशों जैसे अमेरिका, रूस, चीन आदि के पास है। यह प्रणाली भारत की प्रतिरक्षा शक्ति को मजबूत करेगी खासकर ऐसे समय में जब पाकिस्तान व चीन के बीच सुरक्षा बढ़ रही है तथा सीमा पर भारत के तनाव बढ़ रहे हैं।

इंटरसेप्टर मिसाइल प्रणाली क्या है स्पष्ट करें

उदाहरण पर और स्पष्ट चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

~~हाल ही~~ हाल ही में जैसलमेर मुद्दे पर भारत व चीन के विवाद इतने बढ़े की युद्ध की आशंका उत्पन्न होने लगी। इसके अलावा पाकिस्तान द्वारा सीमा मुद्दे पर व ~~कश्मीर~~ के मुद्दे पर लगातार भारत के खिलाफ काम किये जा रहे हैं।

अतः उपरोक्त परिस्थितियों में बंदरगाह विधेयक का भारत के पास होना निश्चित रूप से भारत के प्रतिरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा। साथ ही यह DRDO द्वारा विकसित किया गया है जो भारत की रक्षा क्षेत्र में स्वदेशगत उत्पादन क्षमता को बढ़ायेगा। इसके साथ ही यह मिसाइल प्रणाली के विकास में बंदरगाह का भी सदुपयोग करेगी जो कोलो देशों के बीच बढ़ते सुरक्षा सम्बन्धों को दिखाता है।

- आम भारत की सुरक्षा
- ऊर्जा क्षेत्रों में
- मूलभूत अधिसंरचना
- सुरक्षा
- अर्थव्यवस्था की मजबूती

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1½	1	.25	.25	.25	✓
Grade	B	B	C	B	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

20. भारत तीव्रता से डिजिटल हो रहा है, लेकिन क्या यह सुरक्षित रूप से डिजिटल हो रहा है? टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

India is going digital swiftly, but is it going digital safely. Comment. (250 words) 12.5

भारत में डिजिटल माध्यमों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इंटरनेट भारत के स्मार्टफोन तथा इंटरनेट Penetration भी तेजी से बढ़ रहा है। सरकार द्वारा डिजिटल माध्यमों से लेनदेन उपलब्ध कराई जा रही है। (डिजिटल इंडिया) नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान आदि इसी दिशा में सकारात्मक परंतु भारत में बढ़ता डिजिटलीकरण कई समस्याएँ भी पैदा कर रहा है —

① डिजिटल पायरेसी की समस्या

② साइबर क्राईम के बढ़ते मामले।

अतः कहा जा सकता है कि भारत में डिजिटलीकरण

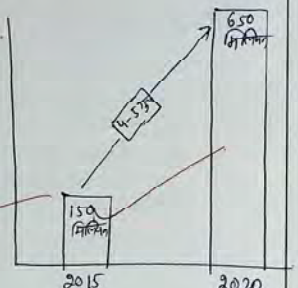

(a) (भारत में इंटरनेट का उपयोग)

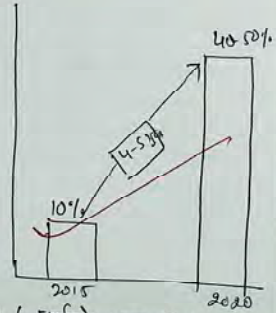

(b) (स्मार्टफोन यूजर की संख्या)

(एसोचैम-KPMG की वार्षिक रिपोर्ट)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevissionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

ही बढ़ाई गई सुरक्षा संबंधी समस्याओं ने भारत के चिंताओं को भी बढ़ाया है।

हाल ही में यस बैंक के एटीएम से लगभग 32 लाख बैंक खाताधारकों के खातों से (ATM) जैसे निकाले गये। इसी तरह हाल ही में वैनाक्रायप्ट के अटैक से भी भारत प्रभावित रहा। ये अटैक केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं बल्कि संस्थागत व देशों के स्तर पर भी हो रहे हैं। कहा जा रहा है साइबर स्पेस युद्ध का एक नया क्षेत्र बनता उभर रहा है।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुये सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के कई प्रयास किये हैं —

① साइबर सुरक्षा नीति 2013

(a) जैसे National critical Information Infrastructure Protection Center (NCIIPC) की स्थापना की गयी ताकि महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे स्पेस, न्यूक्लियर आदि को साइबर अटैक से बचाया जा सके।

(b) PPP के द्वारा साइबर सुरक्षा पर बल

(c) 1 लाख साइबर सुरक्षा कार्यबल तैयार करने का लक्ष्य

अन्य चुनौतियाँ

क्या है सिविल व क्रिमिनल साइबर का अंतर

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का अभाव

क्रिप्टोकरेंसी व डार्कनेट की समस्या

चुनौतियों के लिये कुछ सुझाव की दें।

संक्षेप में चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevissionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(2) वैधानिक उपाय - IT Act 2000 को मजबूत किया जाना चाहिए

(3) संस्थागत उपाय - Cert in व NTRO के बीच समन्वय के लिए National cyber security coordinator (NCSC) की स्थापना की जानी चाहिए

(4) गुलशनराय कमिटी की अनुशंसाओं के मुताबिक हरेक जिले में एक 'साइबर सेल' की स्थापना की जा सकती है

(5) विभिन्न देशों से साइबर सुरक्षा के मसले पर सहयोग बढ़ाया जा सकता है

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1	1½	1¼	·25	·25	·25	
Grade	A	B	B	B	B	B	

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532406, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation